आज के बाइबिल अध्ययन में आपका स्वागत है। आज हम एक महत्वपूर्ण प्रश्न पर ध्यान देंगे: क्या आज की चर्च वही अंतिम चर्च है, जिसे प्रकटीकरण की किताब में वर्णित किया गया है—यानी लाओदिकीया की चर्च?

सात चर्चों की समझ

प्रकटीकरण 2 और 3 अध्यायों में यीशु ने एशिया माइनर (आधुनिक तुर्की) में स्थित सात चर्चों को संदेश दिया: एफ़ेसुस, स्मिरना, पर्गमोस, थ्याटिरा, सार्दिस, फिलाडेल्फ़िया, और लाओदिकीया (प्रकटीकरण 1:11)।

ये चर्च पहले शताब्दी में वास्तविक सभाएँ थीं, लेकिन धर्मशास्त्रीय दृष्टि से इन्हें विश्व चर्च के अलग-अलग ऐतिहासिक समय या आध्यात्मिक स्थिति के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। यह दृष्टिकोण ऐतिहासिक प्रीमिलेनियल और डिस्पेंसैशनल अंतिम समयवाद के अनुरूप है, जो इन चर्चों को चर्च युग की भविष्यवाणी की रूपरेखा मानता है।

लाओदिकीया: अंतिम चर्च?

लाओदिकीया सातवाँ और अंतिम चर्च है। बाइबिल में संख्या सात पूर्णता या सम्पूर्णता का प्रतीक है (उत्पत्ति 2:2; प्रकटीकरण 1:20)। इसलिए, लाओदिकीया चर्च मसीह के लौटने से पहले चर्च की

अंतिम आध्यात्मिक स्थिति का प्रतिनिधित्व कर सकती है।

यीशु कहते हैं:

“मैं तुझसे तेरा काम जानता हूँ; तू न ठंडा है और न गरम। काश
तू ठंडा या गरम होता! इस कारण, क्योंकि तू उबला हुआ है और न ठंडा है और न गरम, मैं तुझे अपने मुँह से उगल दूँगा।”
— प्रकटीकरण 3:15–16

यह टोका हुआ संदेश आध्यात्मिक समझौते और आत्म-धोखे की स्थिति को दर्शाता है। लाओदिकीयाई चर्च मानती थी कि वह सम्पन्न है और उसे किसी चीज़ की आवश्यकता नहीं है, लेकिन मसीह कहते हैं कि वह “दीन, दरिद्र, अंधा और नग्न” (v.17) है।

अंतिम समय के साथ समानता

नए नियम में कहा गया है कि अंतिम दिनों में आध्यात्मिक और नैतिक पतन बढ़ जाएगा:

“परन्तु यह जान लो कि अंतिम दिनों में कठिन समय आएंगे;
क्योंकि लोग स्वार्थी होंगे, धन-भोगी होंगे, परमेश्वर के

प्रेम के बजाय सुख-प्रेमी होंगे…”
— 2 तिमुथियुस 3:1–5

यीशु ने कहा:

“जैसे नोआ के दिनों में था, वैसे ही मनुष्य के पुत्र के
दिनों में भी होगा।”
— लूका 17:26

नोआ और लो़ट के दिनों की तरह, लोग रोजमर्रा की जिंदगी में व्यस्त होंगे, पर आध्यात्मिक रूप से उदासीन या विद्रोही रहेंगे। उत्पत्ति 19 में, सोडोम और गोमोरा का विनाश बढ़ती अधर्मिता और धार्मिक अस्वीकृति के कारण हुआ। जूड ने इसे पुष्टि की:

“…सोडोम और गोमोरा… उदाहरण के रूप में रखे गए हैं, जो अनन्त अग्नि के दंड का सामना करते हैं।”
— जूड 1:7

[illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]—[illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible]: [illegible]?

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]:

- [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
- [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] (Warumi 12:1–2 [illegible])
- [illegible] [illegible]-[illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] (Luka 22:37).

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]:

> “[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

करता हूँ। इसलिए उत्साही बनो और पश्चाताप करो।”
— प्रकटीकरण 3:19

यह बाइबिल में परमेश्वर के पैटर्न को दर्शाता है: न्याय के समय में भी, वह हमेशा एक अवशेष को विश्वासयोग्य रहने के लिए बुलाता है—नोआ, लो़ट, एलियाह के समय के विश्वासियों (1 राजा 19:18)। इसी तरह, आज परमेश्वर एक अवशेष चर्च को बुला रहे हैं—वफादार, अलग और आध्यात्मिक रूप से सजग रहने के लिए (मत्ती 25:1–13)।

अगली भविष्यवाणी घटना: रैप्चर?

प्रकटीकरण 4:1 में, लाओदिकीया को संदेश देने के बाद, योहन स्वर्ग में उठाए जाते हैं:

“इसके बाद मैंने देखा, और देखो, स्वर्ग में एक दरवाजा खुला हुआ है… और पहली आवाज़ ने कहा, ‘ऊपर आओ, और मैं तुझे दिखाऊँगा कि इसके बाद क्या होना है।’”
— प्रकटीकरण 4:1

कई धर्मशास्त्री इसे चर्च के रैप्चर का प्रतीक मानते हैं (1 थेस्सलुनीकियों 4:16–17)। चर्च युग के बाद, परमेश्वर अपने

विश्वासयोग्य लोगों को उठा लेंगे और फिर न्याय (महान विपत्ति) को पूरा होने देंगे।

मसीह के लिए “गरम” बनो

यीशु चाहते हैं कि हम ठंडे (धर्म के बाहर स्पष्ट) या गरम (पूर्ण समर्पित) हों, लेकिन उबले हुए (half-hearted) न हों। क्यों? क्योंकि उबले हुए विश्वासियों का आध्यात्मिक दिखावा हो सकता है, लेकिन वे स्वयं को धोखा दे रहे होते हैं—जो खतरनाक स्थिति है (याकूब 1:22)।

यदि आपने मसीह का अनुसरण करने का निर्णय लिया है, तो इसे पूरा दिल से करें:

अपने जीवन में वास्तविक परिवर्तन दिखाएँ (2 कुरिन्थियों 5:17)
सांस्कृतिक ईसाईपन और सांसारिक समझौते को अस्वीकार करें (1 यूहन्ना 2:15–17) पवित्रता और आध्यात्मिक उत्साह अपनाएँ (इब्रानियों 12:14, रोमियों 12:11)

“देखो, मैं दरवाजे पर खड़ा हूँ और खटखटा रहा हूँ। यदि कोई
मेरी आवाज़ सुने और दरवाजा खोले, तो मैं उसके पास आकर उसके
साथ भोजन करूँगा।”
— प्रकटीकरण 3:20

यीशु दरवाजे पर हैं। इस बुलाहट को न चूकें।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp